आर. एन. आई. 31109/77
JaipurCity / 224 / 2021-23

आजीवन शुल्क : 251 रुपये
वार्षिक शुल्क : 25 रुपये

नैतिक एवं सामाजिक चेतना का अग्रदूत निष्पक्ष पाक्षिक

जैन पथप्रदर्शक

ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)

संस्थापक सम्पादक : अध्यात्मरत्नाकर पण्डित रतनचंद भारिल्ल
सम्पादक : पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल
सह-सम्पादक : पीयूष जैन

अप्रैल (द्वितीय), वर्ष : 46, अंक : 2
17 अप्रैल 2023, कुल पृष्ठ : 8, मूल्य :2/-

छोटे दादा हमें छोड़ गए...

तत्ववेत्ता
डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल

25 मई 1935 जीवन यात्रा 26 मार्च 2023

- हजारों विद्वानों के जनक
- विद्वत परम्परा में शिरोधार्य
- कलम के धनी
- शताधिक कृतियों के सृजक
- सरस्वति के वरद्पुत्र
- वीतराग विज्ञान के सम्पादक
- समयसार के शिखरपुरुष
- आत्मकल्याण के उपदेशक
- वाणी के जादूगर
- जैनजगत के गौरवशाली व्यक्तित्व
- आध्यात्मिकसत्पुरूष पूज्य श्री कानजीस्वामी के नवरत्नों में से एक
- जिनधर्म के ध्वज वाहक
- अध्यात्मप्रेमियों के छोटे दादा के चिरवियोग पर देशभर में शोक की लहर

सम्पादक की कलम से...

दादा के बाद कौन ?

– परमात्मप्रकाश भारिल्ल
कार्यकारी महामंत्री : पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर

दादा चले गए, अब हम क्या करें?

उक्त प्रश्न का उत्तर अगर हम दादा के विचारों में ही खोजें तो पाएँगे कि – ''**वही करें जो महावीर के निर्वाण के बाद इंद्रभूति गौतम ने किया था।**'' **अर्थात् आज हम सबको मिलकर वही करना होगा जो पूज्य गुरुदेवश्री के महाप्रयाण के बाद स्वयं दादा ने किया था।**

दादा का चले जाना सम्पूर्ण समाज के ऊपर एक बड़ा वज्रपात है, यह सत्य है, पर क्या पूज्य गुरुदेवश्री का चले जाना भी ऐसा ही नहीं था?

तब तो और भी बड़ी-बड़ी चुनौतियाँ थीं। अंदर से भी और बाहर से भी। सामर्थ्य भी अपेक्षाकृत बहुत कम था। समाज के पास कुछ ही गिने-चुने विद्वान उपलब्ध थे। बावजूद इसके बीते 42 सालों में सिर्फ भारत में ही नहीं वरन विश्वभर में एक अद्भुत आध्यात्मिक क्रान्ति का सूत्रपात हुआ है।

आज देशभर में अनेकों विशाल केन्द्र हैं जो आध्यात्मिक चेतना का संचार करने में संलग्न हैं और प्रत्येक केंद्र में तत्त्वप्रचार के लिए समर्पित, समर्थ विद्वानों की टीम विद्यमान है। प्रत्येक केन्द्र में प्रबुद्ध और सक्षम मैनेजमेंट है और प्रचार-प्रसार में सहायक आधुनिक साधनों की प्रचुरता है। देश-देशांतर में स्थित अनेकों केन्द्रों में प्रतिदिन नियमित आध्यात्मिक प्रवचनों, पाठशालाओं, गोष्ठियों और तत्त्वचर्चाओं के माध्यम से अविरल तत्त्वचर्चा का प्रवाह गतिमान है।

उक्त के अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यम से देश-काल की मर्यादा से मुक्त जैन आगम और अध्यात्म के प्रत्येक पहलू पर विभिन्न विद्वानों के माध्यम से, विभिन्न भाषाओं में प्रचुर सामग्री उपलब्ध है।

आज देश-देशांतर में जैन तत्त्व और अध्यात्म की चर्चा के प्रति प्रतिरोध आज बीते युगों की (इतिहास की) कहानी रह गई है। वे लोग जो अध्यात्म की चर्चा मात्र से बचते थे, वे लोग जिन्हें इससे समाज में कोई बड़ा संक्रमण फैलने का भय रहता था, जो हर स्तर पर इसका विरोध करते थे, आज स्वयं अध्यात्मप्रेमी बन गए हैं और मात्र व्यक्तिगत तौर पर ही नहीं; वरन सार्वजनिक मंचों से समयसारादिक ग्रंथों के माध्यम से आत्महितकारी जैन अध्यात्म की गहन चर्चा करने लगे हैं।

आज की सबसे बड़ी उपलब्धि तो यह है कि **समाज के जिस वर्ग ने जैन अध्यात्म को सुना-पढ़ा और समझा है उनके बीच श्वेताम्बर-दिगम्बर का भेद तक समाप्त हो गया है।**

आज समाज के प्रत्येक वर्ग में अध्यात्म के रसिक आत्मार्थियों की बहुतायत है। समाज का एक बड़ा वर्ग तत्त्व की सूक्ष्म से सूक्ष्म चर्चा में भाग लेता है, समझता है और उससे सहमत भी है।

आज के इस प्रबुद्ध अध्यात्मप्रेमी समाज के लिए धर्म और अध्यात्म मात्र एक पार्ट टाइम एक्टिविटी नहीं रह गया है; वरन यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन गया है, उनका जीवन बन गया है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि आज हम उस स्थिति से बहुत ही बेहतर स्थिति में हैं जिस स्थिति में पूज्य गुरुदेवश्री के बाद स्वयं दादा खड़े थे।

जब दादा उक्त स्थिति में इतना कुछ कर पाए तो क्या हम दादा के शिष्य आज की इतनी अनुकूल परिस्थिति में उनकी इस विरासत को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे?

आज हमारे पास साधनों की कमी नहीं है, हमारा सामर्थ्य और समर्पण भी कम नहीं है, हम लोग प्रयत्नों में भी पीछे रहने वाले नहीं हैं।

एक बात और जो हमें आज सहज सुलभ है, वह अन्यत्र असंभव नहीं तो दुर्लभ अवश्य है। पर मात्र यही सब पर्याप्त नहीं है।

आज हमारा यह भवान्तरकारी जैन अध्यात्म और हम सभी लोग, समाज के उस वर्ग के लिए भी स्वीकार्य बनें जो अब तक भी इस धारा से अछूते हैं, इसके लिए आवश्यकता है एक सुविचारित रीति-नीति की, उपयुक्त कार्यप्रणाली की, प्रभावशाली संप्रेषण क्षमता की, सर्वस्वीकार्य व्यक्तित्व की और एक विशाल-व्यापक दृष्टिकोण की।

आज हमें समझना होगा कि डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल के मायने क्या हैं, डॉ. भारिल्ल क्या थे?

क्या एक लम्बी, छरहरी काया वाले, शुभ्र-श्वेत कलफदार वस्त्रों से सुसज्जित, आत्मविश्वास से लबरेज, सदाबहार संतुष्टि का भाव लिए प्रसन्न मुख मुद्रा से युक्त, सीना तानकर मंथर गति से चलने वाले शख्स का नाम ही डॉ. भारिल्ल था, क्या डॉ. भारिल्ल होने के लिए मात्र इतना ही पर्याप्त है?

नहीं! कदापि नहीं!!

मात्र उक्त देह का नाम डॉ. भारिल्ल नहीं था, **डॉ. भारिल्ल उन दुर्लभ चारित्रिक गुणों और अनुपम विशेषताओं का नाम था जो उनमें कूट-कूटकर भरे थे। डॉ. भारिल्ल उन मानव-सुलभ कमजोरियों से मुक्त शख्स का नाम था, जिनसे वे अछूते थे। उस अनोखे चिंतन और विचारों का नाम था डॉ. भारिल्ल जो अपनेआप में अनुपम थे।**

दादा के व्यक्तित्व में समाहित उन दुर्लभ गुणों और उनकी उन संतुलित क्रांतिकारी नीतियों की चर्चा आगामी अंकों में करूँगा, जिनने एक समान्य व्यक्ति को महामानव बनाया।

आज का यक्ष प्रश्न तो यह है कि – ''**अब क्या होगा? या दादा के बाद कौन?**''

यूं तो यह कोई ऐसा पद नहीं है जिस पर किसी की प्रतिष्ठा कर देने मात्र से काम होजाये। यह कोई सिंहासन नहीं है जिस पर किसी न किसी को बिठाना भी आवश्यक हो और इसलिए किसी को भी बिठा दिया जाए।

(शेष पृष्ठ 6 पर..)

पण्डित टोडरमल स्मारक में छाई शोक की लहर

प्रतिदिन आयोजित हो रही हैं स्मृति सभायें

अध्यात्मजगत के शिरोमणि विद्वान तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति में 28 मार्च को जयपुर में विशालस्तर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें देश–विदेश के अनेक महानुभावों ने भाग लिया; परन्तु इसके पश्चात् भी पण्डित टोडरमल स्मारक भवन में विविध रूपों में श्रद्धांजलि सभाएँ आयोजित हुई, जिसमें दादा के व्यक्तित्व से मिलने वाली शिक्षाओं को सभी ने जाना और उनके द्वारा लिखे गये साहित्य का समझा। इस प्रसंग पर श्री टोडरमल स्मारक भवन में प्रतिदिन डॉ. शान्तिकुमार पाटील द्वारा बारह भावना पर व्याख्यान हुए।

छोटे दादा की स्मृति में 24 तीर्थंकर विधान सम्पन्न

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन स्थित पंचतीर्थ जिनालय में 07 अप्रैल, 2023 को प्रात: चौबीस तीर्थंकर विधान का आयोजन किया गया, जिसमें छोटे दादा द्वारा लिखित चारों पूजन की गईं। विधान पण्डित अभयकुमार शास्त्री देवलाली की उपस्थिति में डॉ. शान्तिकुमार पाटील के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

इस प्रसंग पर परिवार के सभी सदस्यों सहित देश–दुनिया के अनेक श्रेष्ठी, स्तानक विद्वान व साधर्मी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की नवीनतम कृति 'भरत का अन्तर्द्वन्द्व' (नाटक) का विमोचन किया गया।

परिवारजन द्वारा सुनाए गए रोचक संस्मरण

समारक परिवार के विशेष आग्रह पर दिनांक 3 व 4 अप्रैल, 2023 को रात्रि में भारिल्ल परिवार के प्रत्येक सदस्य ने छोटे दादा के जीवन से सम्बन्धित अनेक अनछुए पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने कहा कि दादा ने किसप्रकार परिवार में तत्त्वज्ञान के संस्कारों को ही ऊर्ध्व रखा और सभी को उसी के लिए प्रेरित किया।

दादा ने जो विरासत आज समाज को दी है वही विरासत उन्होंने परिवार के प्रत्येक सदस्य को दी। दादा ने इस आधुनिक युग में भी अपनी तीसरी पीढ़ी के सदस्यों को भी यही सीख दी।

टोडरमल महाविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

दिनांक 02 अप्रैल, 2023 को रात्रि में जैनदर्शन के हजारों ठोस विद्वान तैयार करने वाले महाविद्यालय के निर्देशक छोटे दादा के प्रति महाविद्यालय परिवार ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महाविद्यालय के अधिकारियों, अध्यापकों व विद्यार्थियों ने छोटे दादा के व्यक्तित्व के अनेक पहलुओं को स्पर्श करते हुए अपने चहेते छोटे दादा को भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित की।

विद्यार्थी दे रहे हैं विविध विधाओं में श्रद्धांजलि

दिनांक 05 से 07 अप्रैल, 2023 तक रात्रि में महाविद्यालय के विद्यार्थियों में क्रमश: शास्त्री तृतीय वर्ष, द्वितीय वर्ष व उपाध्याय कनिष्ठ के छात्रों ने डॉ. भारिल्ल द्वारा लिखित शताधिक पुस्तकों का सार, परिचय, महत्त्व एवं विषयवस्तु को विशेष रोचकता के साथ प्रस्तुत किया। साथ ही डॉ. साहब के अनेक हृदयस्पर्शी वाक्य व अनेक रहस्य उद्घाटक पद्य सुनाए। अंकित जैन ने दादा के संस्कृति प्रेम को वक्तव्य द्वारा स्पष्ट किया।

दादा के साहित्य का परिचय देते हुए महाविद्यालय के छात्र

नोट : टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित समस्त कार्यक्रम PTST के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं।

डॉ. भारिल्ल के वियोग से अभी तक नहीं उबर पाया जैनसमाज

देश के कोने-कोने में फैले डॉ. भारिल्ल के अनुयायी कर रहे हैं श्रद्धांजलि सभाएँ

अध्यात्मजगत के मूर्धन्य विद्वान तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के वियोग में सकल जैनसमाज स्थान-स्थान उनकी श्रद्धांजलि सभाएँ आयोजित कर उनके द्वारा किए अकल्पनीय कार्यों की अनुमोदना कर रहा है –

1) समयसार परिचर्चा : 26 व 27 मार्च 2023 को रात्रि में समयसार परिचर्चा ग्रुप द्वारा डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रति स्मरणांजलि सभा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें पण्डित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली; श्री अरुणकुमार मोदी, सागर; पण्डित प्रदीप झांझरी, उज्जैन; पण्डित रमेशचन्द शास्त्री, जयपुर; पण्डित सोनू शास्त्री, अहमदाबाद; पण्डित राजेश शास्त्री, विदिशा; श्री शुद्धात्मप्रकाश जैन, मुम्बई; पण्डित पंकज शास्त्री, खड़ैरी; पण्डित नीतेश शास्त्री, दुबई; पण्डित ऋषभ शास्त्री, छिंदवाड़ा; श्री मनोज जैन, वक्सबाह; श्री शिखरचन्द जैन, सागर; पण्डित गणतंत्र शास्त्री, आगरा; बाल ब्र. विमलाबेन, जयपुर; श्रीमती स्वर्णलता जैन, नागपुर आदि अनेक स्नातक विद्वानों ने अपने गुरु के संग व्यतीत किए प्रसंगों को स्मरणकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा का संचालन पण्डित राकेश शास्त्री, नागपुर ने किया।

2) पुणे : यहाँ श्री महावीरस्वामी दिगम्बर जिनमंदिर में दिनांक 04 अप्रैल 2023 को पुणे शास्त्री परिषद् द्वारा डॉ. भारिल्ल के प्रति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस प्रसंग पर डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल द्वारा रचित श्री देव-शास्त्र-गुरु एवं महावीर पूजन की गई। पश्चात् समाधि का सार एवं चौबीस तीर्थंकर वंदना के पाठपूर्वक छोटे दादा के वीडियो प्रवचन का लाभ साधर्मियों ने प्राप्त किया। साथ ही पण्डित जितेन्द्र राठी, पण्डित शान्तिनाथ पाटील, पण्डित संतोष बोगार, पण्डित भूषण कालेगोरे, पण्डित सिद्धान्त आहेरे, सौ. सुचिता राठी ने भी दादा के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

3) चेन्नई : दिनांक 9 अप्रैल 2023 को रात्रि 08 बजे तत्त्ववेत्ता डॉ. भारिल्ल के प्रति श्रद्धांजलि सभा ऑनलाइन रखी गई। तमिल शास्त्री परिषद द्वारा आयोजित इस सभा में डॉ. उमापति शास्त्री ने डॉ. साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए, सभा का सफल संचालन किया।

श्री जम्बूकुमार शास्त्री ने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से तमिलनाडु में हुए और हो रहे तत्त्वप्रचार में दादा के योगदान की चर्चा की। इसके अतिरिक्त पण्डित धनकुमार शास्त्री, पण्डित अभिनन्दन शास्त्री, पण्डित सुभाष शास्त्री, पण्डित जयराजन शास्त्री, डॉ. प्रियदर्शना जैन, श्री भूपालनजी जैन, पण्डित जिनकुमार शास्त्री, पण्डित नाभिराजन शास्त्री, पण्डित रमेश शास्त्री, पण्डित बाबू शास्त्री सहित तमिलनाडु के परमागम ऑनर्स के विद्यार्थियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

4) हेरले : यहाँ दिनांक 02 अप्रैल, 2023 को सर्वोदय स्वाध्याय जैन मंदिर ट्रस्ट, हेरले में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति में आदरांजलि सभा आयोजित की गई।

इस सभा में पण्डित जिनचन्द आलमान, पण्डित सुकमार चौगुले, पण्डित सुरगोंड़ा पाटील, पण्डित राजू सांगवे, डॉ. विजयसेन पाटील, पण्डित शांतिनाथ पाटील, पण्डित शीतलजी शेट्टी, पण्डित अनिल आलमान, पण्डित दीपक अथणे, पण्डित प्रसन्न शेटे, पण्डित भालचन्द्र कुसन्नावर, पण्डित रवीन्द्र नरसाई, डॉ. नेमिनाथ बालिकाई आदि ने छोटे दादा के सम्बन्ध में अपने मनोभाव व्यक्त किए। अन्त में दादा द्वारा प्राप्त तत्त्वज्ञान को सदा जीवन्त रखने की भावना भाई।

5) अहमदाबाद : दिनांक 04 अप्रैल 2023 को जैनधर्म की प्रभावना में अद्वितीय योगदान देनेवाले, गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के नवरत्नों में से एक डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रति विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस वैराग्य प्रसंग पर अहमदाबाद शास्त्री परिषद, श्री बेतालीस दशा हुम्मड दिगम्बर जैन मुमुक्षु समाज, चैतन्यधाम परिवार, नवरंगपुरा, वस्त्रापुर, पालडी, मणिनगर, ओढव, नरोडा, मेघाणीनगर, तलोद, हिम्मतनगर, रखियाल, दहेगाम, बड़ौदा आदि मुमुक्षु मण्डलों ने संयुक्तरूप से जैनजगत के शिखरपुरुष के प्रति विनयभाव अर्पित किए। सभा संचालन पण्डित सचिन शास्त्री चैतन्यधाम व पण्डित रत्नेश शास्त्री, अहमदाबाद ने किया।

6) मंगलायतन : यहाँ तीर्थधाम मंगलायतन स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन विद्यालय के प्रांगण में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के महाप्रयाण पर स्मरणांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें श्री अशोकजी लुहाड़िया, पण्डित जे. पी. दोशी, पण्डित सुधीर शास्त्री, पण्डित सचिन्द्र शास्त्री आदि विद्वानों ने डॉ. साहब के संस्मरण को याद करते हुए, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं अनेक साधर्मीजन उपस्थित रहे।

7) इंदौर : यहाँ डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर के अवसान पर 27 मार्च 2023 को दिगम्बर जैनसमाज सामाजिक संसद, दिगम्बर जैन महासमिति एवं विद्वत परिषद् द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शीशमहल में किया गया।

सभा में श्री अशोक बड़जात्या, श्री नरेन्द्र जैन, श्री कैलाश वैद, श्री अनुपम जैन, श्री नवीन गोधा, श्री प्रकाश छाबड़ा, श्री सुरेन्द्र बाकलीवाल, श्री प्रदीप बड़जात्या, श्री मयूर जैन ने विनयांजलि देते हुए डॉ. भारिल्ल के उल्लेखनीय कार्यों को याद किया।

7) दिल्ली : यहाँ लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में जैनदर्शन के प्रकाण्ड विद्वान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति में यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भावांजलि व्यक्त की गई, जिसमें प्रो. अनेकान्त शास्त्री, दिल्ली ने डॉ. भारिल्ल द्वारा जैनदर्शन के क्षेत्र में दिए गए अवदान से सभी को परिचित कराया।

9) कोलकाता : यहाँ 02 अप्रैल 2023 को कोलकाता मुमुक्षु मण्डल द्वारा डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति सभा का (ऑनलाइन) आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. भारिल्ल के संक्षिप्त रिकॉडेड प्रवचन के पश्चात् श्री कमलकुमार पाटनी, श्री दिलीप सेठी, श्री अशोककुमार बजाज, श्री अशोक पाटनी(सिंगापुर), श्री रमेशचन्द सोगानी, श्री प्रदीप रपरिया, श्री चिराग पाटनी आदि ने दादा द्वारा किए गए कोलकाता में तत्त्वप्रचार के योगदान का स्मरण करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। दादा के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों का जिक्र करते हुए पण्डित अमित शास्त्री ने सभा का सफल संचालन किया।

10) उदयपुर : यहाँ दिनांक 27 मार्च 2023 को अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन राजस्थान, श्री टोडरमल स्नातक परिषद एवं सकल जैनसमाज की ओर से हिरणमगरी से.-11 स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल की वैराग्य सभा आयोजित की गई।

इस सभा में श्री ताराचन्द जैन, श्री श्याम एस. सिंघवी, पण्डित राजकुमार शास्त्री, डॉ. महावीर शास्त्री, डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, पण्डित खेमचन्द शास्त्री, पण्डित ऋषभकुमार शास्त्री, पण्डित तपिश शास्त्री, पण्डित गजेन्द्र शास्त्री, पण्डित संदीप मेहता, पण्डित नीलेश शास्त्री, श्रीमती भगवती जैन, डॉ. सीमा जैन, श्रीमती अनुकम्पा जैन ने डॉ. भारिल्ल के रीति-नीति को श्रेयष्कर बताते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त की।

11) देवलाली : यहाँ दिनांक 26 मार्च 2023 को रात्रि में पूज्य गुरुदेवश्री कानजीस्वामी स्मारक ट्रस्ट में डॉ. भारिल्ल की स्मृति में बारह भावना का पाठ एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस सभा में पण्डित अभयकुमार शास्त्री, पण्डित हेमचन्द हेम, ब्र. रमाबेन एवं ब्र वासंतीबेन ने दादा के उपकारों का बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

12) ग्वालियर : यहाँ समयसार विद्या निकेतन, श्री वीतराग विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण समिति, श्री मुमुक्षु मण्डल ग्रेटर ग्वालियर एवं सकल दिगम्बर जैनसमाज ग्वालियर द्वारा तत्त्ववेत्ता डॉ. भारिल्ल की स्मरणांजलि सभा आयोजित हुई।

इस प्रसंग पर श्री पारस जैन (अध्यक्ष), श्री प्रवीण पाठक (विधायक), पण्डित सुनील शास्त्री, पण्डित अजित शास्त्री अचल, पण्डित शुद्धात्मप्रकाश शास्त्री, पण्डित महेश शास्त्री, पण्डित रजत शास्त्री, पण्डित पवन शास्त्री, श्रीमती मीना जैन आदि ने दादा के कार्यों का स्मरणकर, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

13) सोनगढ़ : यहाँ दिनांक 11 अप्रैल 2023 को डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की वैराग्य सभा आयोजित हुई, जिसमें पण्डित राकेश शास्त्री, नागपुर; श्री रमेश जैन मंगल, सोनगढ़; पण्डित महावीर पाटील, सांगली; पण्डित रमेश दाऊ, जयपुर; श्री रमेश शाह, मुम्बई; श्री सोनू जैन, पुणे; पण्डित चेतन शास्त्री आदि 18 विद्वान उपस्थित रहे।

सभी ने दादा के जीवन से सम्बंधित अनेक संस्मरण बताये और निश्चय किया कि हम सभी आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी द्वारा उद्घाटित और दादा द्वारा बताए गए तत्त्वज्ञान को जन-जन तक पहुँचाते रहेंगे।

14) औरंगाबाद : यहाँ 01 अप्रैल 2023 को दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं स्वानुभव स्वाध्याय मण्डल औरंगाबाद द्वारा देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त विद्वान तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के वियोग में वैराग्य सभा रखी गई, जिसमें डॉ. भारिल्ल द्वारा लिखित बारह भावना, समाधि का सार एवं सहजता का पाठ किया गया। साथ ही श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भी हुआ।

15) तीर्थधाम ज्ञानोदय - भोपाल : यहाँ श्री ज्ञानोदय दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय के परिसर में डॉ. भारिल्ल के प्रति आदरांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें पण्डित शुभम शास्त्री, पण्डित अंकित शास्त्री एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए। समस्त कार्यक्रम श्री अशोक जैन, श्री महेश जैन, श्री रतनचंद जैन के निर्देशन में हुआ।

16) गुना : यहाँ श्री वीतराग-विज्ञान महावीर जिनालय में डॉ. भारिल्ल के प्रति श्रद्धांजलि सभा को आयोजन किया गया। जिसमें छोटे दादा द्वारा लिखित बारह भावना का पाठ किया गया।

आयोजित सभा में पण्डित सुकमाल शास्त्री, पण्डित सुरेश शास्त्री, पण्डित अमित शास्त्री, पण्डित स्वानुभव शास्त्री, श्री विनय जैन, श्री अनुराग जैन एवं श्रीमती सुजाता जैन ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त की, जिसका संचालन पण्डित अनिल शास्त्री ने किया।

17) नागपुर : यहाँ श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन स्वाध्याय मण्डल ट्रस्ट द्वारा श्री महावीर विद्या निकेतन, नागपुर में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री जयकुमार देवाड़िया, नागपुर ने की।

इस प्रसंग पर डॉ. राकेश शास्त्री, पण्डित श्रुतेश शास्त्री, पण्डित विनीत शास्त्री, पण्डित श्रीशान्त शास्त्री, पण्डित सुदर्शन शास्त्री, पण्डित मोहित शास्त्री, पण्डित अतिशय शास्त्री, पण्डित प्रशम जैन, श्री राहुल मोदी, श्री संदीप जैन, श्री सुदीप जैन, श्री सतीश जैन, श्री शैलेश जैन, श्री आनन्द जैन, श्री नरेश जैन, श्री शरद माचले, श्री प्रकाश मारवडकर, विदुषी प्रतीति मोदी, श्रीमती शोभना मोदी, श्रीमती शिल्पा मोदी आदि ने श्रद्धांजलि व्यक्त की।

16) विदिशा : यहाँ दिनांक 26 मार्च 2023 को रात्रि में श्री सीमंधर जिनालय विदिशा में डॉ. भारिल्ल की स्मृति में वैराग्य भावना पाठ एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस सभा में वरिष्ठ विद्वान पण्डित शिखरचन्द जैन; बाल ब्र. अमितभैया; पण्डित मुकेश शास्त्री; पण्डित चिन्मय शास्त्री बड़कुल; डॉ. आकाश जैन आदि ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। संचालन श्रीमती सुधा चौधरी ने किया।

17) **बण्डा :** दिनांक 28 मार्च 2023 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंडा में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रति श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें के.सी. जैन, श्री राजकुमार जैन, पण्डित अरन्विद शास्त्री बण्डा, पण्डित राहुल शास्त्री, पण्डित नीलेश शास्त्री, पण्डित मयंक शास्त्री, पण्डित अंकित शास्त्री ने दादा के प्रति अपने भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए।

18) आरोन : यहाँ दिनांक 27 मार्च 2023 को श्री पंचबालयति दिगम्बर जैन मंदिर में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति सभा का आयोजन हुआ, जिसमें श्री अशोक जैन, श्री पवनकुमार जैन, श्री अंकित जैन, पण्डित अमन शास्त्री आदि ने डॉ. भारिल्ल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

19) दमोह : यहाँ दिनांक 27 मार्च 2023 को डॉ. भारिल्ल की श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें अनेकानेक साधर्मीजन उपस्थित हुए। श्री पदमकुमार जैन, श्री देवेन्द्र जैन, श्री अनेकान्त जैन, पण्डित आप्त शास्त्री ने भावभीनी श्रद्धांजलि व्यक्त की।

इसके अतिरिक्त कोलारस, जबलपुर, सागर, मकरोनिया, अलवर, टीकमगढ़, हिंगोली, कारंजा, पिड़ावा, खनियांधाना, फिरोजाबाद, शिवाजी नगर दिल्ली, विश्वास नगर दिल्ली, दलपतपुर, आगरा, भिण्ड, छिन्दवाड़ा आदि देश के विभिन्न स्थानों पर ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से श्रद्धांजलि सभाएँ आयोजित की गई।

जैनसमाज की सर्वाधिक बिक्रीवाला आध्यात्मिक मासिक
वीतराग विज्ञान
पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट का मुखपत्र
शिखरपुरुष का विशेषांक
अध्यात्म जगत के शिखर पुरूष, कालजयी विद्वान, कलम के जादूगर एवं वीतराग विज्ञान मासिक पत्रिका के 'संस्थापक सम्पादक' तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के सम्बन्ध में हर व्यक्ति अपने उद्‌गार व्यक्त करना चाहता है।
वीतराग विज्ञान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की स्मृति में शीघ्र ही एक विशेषांक प्रकाशित करने जा रहा है। आप सभी अपने उद्गारों, विचारों, अनुभवों को हमें शीघ्र ही भेजें।

सम्पर्क सूत्र
Whatsaap
7412078704
तत्त्ववेत्ता
डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल
25 मई 1935 जीवन यात्रा 26 मार्च 2023

(सम्पादकीय का शेष...)

इस क्षेत्र में तो "**Top is always vacant**" और जो चाहे, जिसमें कुव्वत हो वह आकर वहाँ बैठ जाए। जो भी समाज की आशा और आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरेगा, वही लोगों के मनोमस्तिष्क के सिंहासन पर स्वत: ही विराजमान हो जाएगा।

आज का वर्तमान उक्त प्रश्न का जबाब टूक शब्दों में देने में समर्थ नहीं है, इस प्रश्न का जवाब तो हमें अतीत में खोजना होगा, इतिहास में खंगालना होगा।

यह प्रश्न उस दिन भी मुंह बाए खड़ा था जब पूज्य गुरुदेवश्री स्वयं भी यह प्रश्न अनुत्तरित ही छोड़ कर चले गए थे।

आज भी यह प्रश्न अनुत्तरित ही छूट गया है या छोड़ दिया गया है।

तब भी इस प्रश्न का जबाब जनता-जनार्दन ने ही खोज लिया था तो क्या आज का समाज ऐसा नहीं कर पायेगा?

अरे भाई! जनता क्या करती है, समाज क्या करता है?

ये कुछ करते नहीं, जो हो रहा है उसे जान लेते हैं। वक्त जो इवारत लिखता है उसे मात्र पढ़ लेते हैं।

पूज्य गुरुदेवश्री के बाद किसी ने यह इवारत स्वयं लिखी और वक्त ने उसे पढ़ लिया।

अब आज देखना है कि यह इवारत कौन लिखता है।

क्रमश: - दादा के व्यक्तित्व में समाहित दुर्लभ गुणों के साथ....

तत्त्वजिज्ञासु बालकों के लिए सुनहरा अवसर

ग्वालियर में सिखाई जाएगी तत्त्वज्ञान की श्रेष्ठ शिक्षण पद्धति

आचार्यकल्प
पण्डितप्रवर टोडरमलजी

55वाँ वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर

आध्यात्मिकसत्पुरूष
श्री कानजीस्वामी

रविवार, 21 मई 2023 से बुधवार, 07 जून 2023 तक

अध्यात्मप्रेमी बन्धुवर,

आपको यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता होगी कि आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी के सदुपदेश से संस्थापित पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर द्वारा संचालित 55वाँ श्री वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण–प्रशिक्षण शिविर इस वर्ष ग्वालियर (म.प्र.) में रविवार, 21 मई 2023 से बुधवार, 07 जून 2023 तक अनेकानेक मांगलिक कार्यक्रमों सहित आयोजित होने जा रहा है।

जिनधर्मप्रभावना का यह एक महान लोकोत्तर अनुष्ठान है, जिसमें कोमलमति बालकों एवं युवाओं को जैनधर्म के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान कराया जायेगा। छात्र पाठशाला में पढ़ाने योग्य अध्यापक बन सकें, इसलिये प्रशिक्षणार्थियों को सुयोग्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रयोगात्मक पद्धति और मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधियाँ सिखाई जायेंगी एवं इसका प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। इस अवसर पर देश–विदेश में ख्यातिप्राप्त विद्वानों के प्रवचनों, व्याख्यानमालाओं एवं प्रौढ़ कक्षाओं का भी आयोजन किया जायेगा।

शिविर में प्रशिक्षण की मुख्यकक्षायें पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल, जयपुर; पण्डित अध्यात्मप्रकाश भारिल्ल, मुम्बई एवं डॉ. शान्तिकुमार पाटील, जयपुर द्वारा ली जायेंगी एवं प्रशिक्षण की अभ्यास कक्षायें पण्डित कमलचन्द पिड़ावा के निर्देशन में प्रशिक्षित स्नातक विद्वान लेंगे। बाल कक्षाएँ डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया, मुम्बई के निर्देशन में लगेंगी। सम्पूर्ण शिविर पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल, जयपुर; पण्डित अध्यात्मप्रकाश भारिल्ल, मुम्बई; पण्डित शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल, जयपुर एवं पण्डित बिपिन शास्त्री, मुम्बई के कुशल निर्देशन में सम्पन्न होगा।

आप सभी को शिविर में पधारने हेतु हार्दिक आमंत्रण है।

रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ
https://prashikshan.ptst.live/
सम्पर्क सूत्र – 8949033694

निवेदक

सुशीलकुमार गोदीका अध्यक्ष	परमात्मप्रकाश भारिल्ल कार्यकारी महामंत्री	मुकेश जैन अध्यक्ष	अजित जैन महामंत्री
एवं समस्त ट्रस्टीगण पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट		एवं समस्त प्रशिक्षण शिविर समिति	

एक और बज्रपात

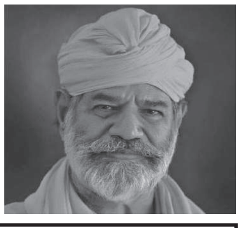

विश्वप्रसिद्ध श्रवणवेलगोला के **भट्टारक कर्मयोगी चारुकीर्तिस्वामीजी** का 23 मार्च, 2023 को शान्त परिणामों सहित श्री श्रवणवेलगोला में चिरवियोग हो गया।

आपने श्रवणवेलगोला को जैन धर्म व दर्शन के एक महत्त्वपूर्ण केंद्र के रूप में अनेक ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

आपके हृदय में विद्वानों के प्रति अपार सम्मान व स्नेह था। एतदर्थ आपने अध्यात्मजगत के मूर्धन्य विद्वान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर को महामस्तकाभिषेक के अवसर पर सम्मानित किया।

सर्वविदित है कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा आपको 'कर्मयोगी' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

पण्डित टोडरमल स्मारक परिवार आपकी शीघ्र मुक्ति की कामना करता है।

जैन शास्त्र, भक्ति गीत, तीर्थ दर्शन व पूज्य गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के समस्त ऑडियो – वीडियो, प्रवचन साहित्य व अनेक जानकारियों के लिये vitragvani app Download करें या Visit करें – www.vitragvani.com
विविध चित्रों के लिए Visit करें – www.gurukahanartmusuem.org
Daily updates :- vitragvani vitragvani Telegram
संपर्क सूत्र – श्री कुन्दकुन्द कहान पारमार्थिक ट्रस्ट, मुम्बई
Ph. : 022-26130820, 26104912, E-Mail - info@vitragvani.com

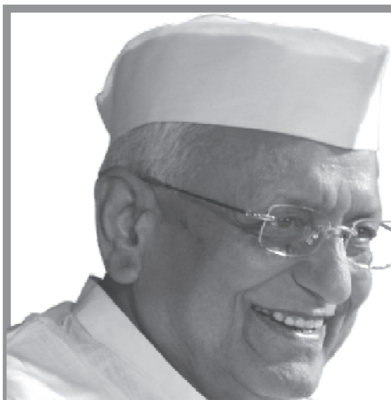

समाधिमय जीवन में चल रहे अन्तिम समय के विचार

आदरणीय छोटे दादा द्वारा रचित अन्तिम छन्द

आकुलता-व्याकुलता क्यों?

20 मार्च 2023
प्रात: 11 बजे

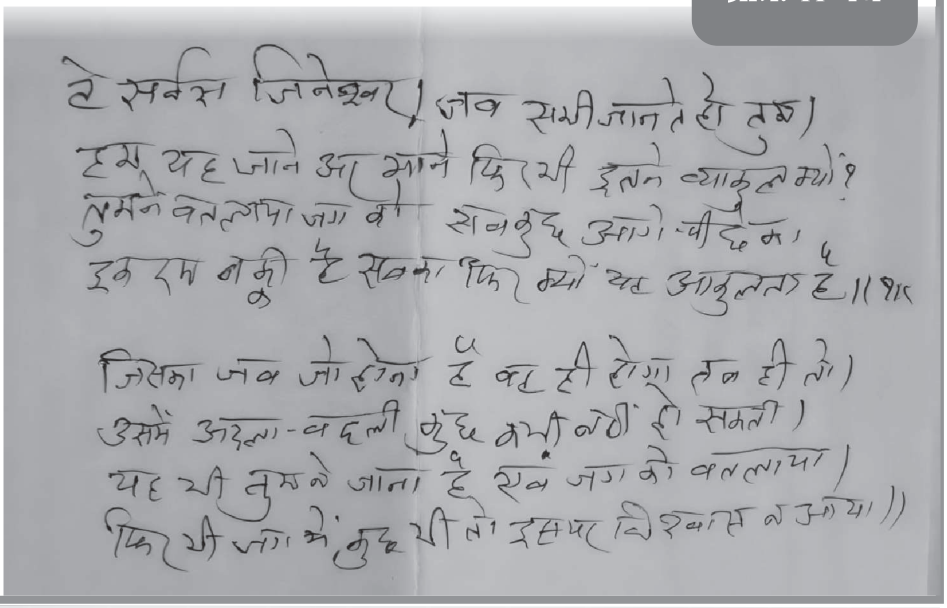
हे सर्वज्ञ जिनेश्वर! जब सभी जानते हो तुम।
हम यह जाने अर माने फिर भी इतने व्याकुल क्यों?
तुमने बतलाया जग को सबकुछ आगे-पीछे का।
इकदम नक्की है सबका फिर क्यों यह आकुलता है।।१।।

जिसका जब जो होना है वह ही होगा तब ही तो।
उसमें अदला-बदली कुछ कभी नहीं हो सकती।
यह भी तुमने जाना है एवं जग को बतलाया।
फिर भी जग में कुछ भी तो इस पर विश्वास न आया।।

हे सर्वज्ञ जिनेश्वर! जब सभी जानते हो तुम।
हम यह जाने अर माने फिर भी इतने व्याकुल क्यों?
तुमने बतलाया जग को सबकुछ आगे-पीछे का।
इकदम नक्की है सबका फिर क्यों यह आकुलता है।।

जिसका जब जो होना है वह ही होगा तब ही तो,
उसमें अदला-बदली कुछ कभी नहीं हो सकती।
यह भी तुमने जाना है एवं जग को बतलाया,
फिर भी जग में कुछ भी तो इस पर विश्वास न आया।।

तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल द्वारा रचित.....

भरत का अन्तर्द्वन्द्व : नाटक

– डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल

डॉ. भारिल्ल की नवीनतम पद्य कृति **'भरत का अन्तर्द्वन्द्व'** नाट्यरूप में प्रकाशित हो चुकी है।

इस कृति में सम्यग्दृष्टि भरत व चक्रवर्ती भरत के अन्तर्मन में चलने वाले परिणामों के द्वन्द्व को डॉ. भारिल्ल ने अपने चिन्तनपरक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया है। चक्रवर्ती सम्राट भरत और कामदेव बाहुबली के विराट व्यक्तित्व को एक नाटक में समेटना असभंव नहीं तो मुश्किल अवश्य था, जिसे कलम के जादूगर डॉ. भारिल्ल ने सरलता से कर दिखाया।

इस कृति को नि:शुल्क प्राप्त करने के लिए अपना पूरा पता, पिनकोड व मोबाईल नम्बर सहित साहित्य विक्रिय विभाग के नम्बर 7412078703 पर WHATSAPP करें।

संस्थापक सम्पादक :
अध्यात्मरत्नाकर पण्डित रतनचंद भारिल्ल

सम्पादक : **पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल**
सह-सम्पादक : **पीयूष जैन**
प्रकाशक व मुद्रक : **ब्र. यशपाल जैन** द्वारा जैनपथप्रदर्शक समिति के लिए जयपुर प्रिण्टर्स प्रा.लि., जयपुर से मुद्रित तथा त्रिमूर्ति कम्प्यूटर्स, श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-४, बापूनगर, जयपुर से प्रकाशित।

यदि न पहुँचे तो निम्न पते पर भेजें –
ए- 4 बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
फोन : (0141) 2705581, 2707458, 7412078704
E-Mail : veetragvigyanjpp@gmail.com

प्रकाशन तिथि : 13 अप्रैल 2023

प्रति,